राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

Pool of Generic Elective (GE)

(Offered by Department of Hindi for all PG Courses)

I Semester

No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	Pool of GE1 (Any One)	साहित्य और सिनेमा	2-3
		साहित्यिक पत्रकारिता	4-5
		विभाजन की विभीषिका और हिंदी साहित्य	6-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of GE1
साहित्य और सिनेमा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of GE1 साहित्य और सिनेमा	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. साहित्य और सिनेमा के बीच संबंधों की समझ विकसित होगी।
2. साहित्यिक कृतियों के फ़िल्मी रूपांतरण की प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
3. फिल्म-पटकथा लेखन के प्रक्रिया से परिचय होगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थियों को उन तकनीकों और तरीकों से भी परिचित कराएगा, जिनके माध्यम से उपन्यास, कहानियां, नाटक आदि को सिनेमा में रूपांतरित करता है।
2. यह पाठ्यक्रम भारतीय समाज में सिनेमा और संस्कृति के प्रभाव को रेखांकित करेगा।

इकाई – 1 : साहित्य और सिनेमा : एक अंतर्संबंध (9 घंटे)

- हिंदी साहित्य और सिनेमा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- साहित्य से सिनेमा तक रूपांतरण की प्रक्रिया
- साहित्य और सिनेमा की भाषा और अभिव्यक्ति शैली

इकाई – 2 : साहित्यिक कृतियों के फ़िल्मी रूपांतरण (12 घंटे)

- हिंदी साहित्य पर आधारित प्रमुख फ़िल्में
- उपन्यास से सिनेमा :
  - प्रेमचंद की 'गोदान' और उसका फ़िल्मी रूपांतरण
  - भीष्म साहनी के 'तमस' के विभिन्न फ़िल्मी रूपांतरण
- कहानी से सिनेमा :
  - मन्नू भंडारी के 'यही सच है' कहानी पर बनी फिल्म 'रजनीगंधा'

- ➢ फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कहानी 'मारे गए गुलफ़ाम उर्फ़ तीसरी कसम' कहानी पर बनी फिल्म 'तीसरी कसम'

- कविता और गीत :
  - ➢ हिंदी सिनेमा में कवियों की भूमिका (नीरज, प्रदीप, नरेंद्र शर्मा, माया गोविंद)

इकाई – 3 : सिनेमा और समाज : सांस्कृतिक प्रभाव **(12 घंटे)**

- हिंदी सिनेमा का भारतीय समाज और संस्कृति पर प्रभाव
- साहित्य और सिनेमा में यथार्थवाद और आदर्शवाद
- भारतीय सिनेमा में ऐतिहासिक और पौराणिक साहित्य का प्रभाव

इकाई – 4 : पटकथा लेखन और फ़िल्म समीक्षा **(12 घंटे)**

- पटकथा और संवाद लेखन की प्रक्रिया
- साहित्य से फ़िल्मी पटकथा रूपांतरण के प्रमुख सिद्धांत
- फिल्म समीक्षा और आलोचना के सिद्धांत
- साहित्य और सिनेमा के तुलनात्मक अध्ययन के दृष्टिकोण

सहायक ग्रंथ :

1. साहित्य और सिनेमा, नंदकिशोर आचार्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिनेमा और साहित्य, विष्णु खरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय सिनेमा और साहित्य, अरविंद कुमार, डायमंड बुक्स, नयी दिल्ली।
4. सिनेमा साहित्य और संस्कृति, अजय ब्रह्मात्ज्म, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. फ़िल्मी साहित्य का समाजशास्त्र, जयप्रकाश चौकसे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिंदी सिनेमा का साहित्यिक परिदृश्य, रविकांत, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली।
7. अरोड़ा, हरीश; सृजनात्मक लेखन, यश पब्लिकेशन, नयी दिल्ली।
8. जोशी, मनोहर श्याम; पटकथा लेखन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of GE1
साहित्यिक पत्रकारिता

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of GE1 साहित्यिक पत्रकारिता	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. साहित्यिक पत्रकारिता की मूलभूत समझ विकसित कराना।
2. विद्यार्थियों को साहित्यिक पत्रकारिता के स्वरूप, इतिहास और महत्त्व से परिचित कराना।
3. संपादन और प्रकाशन का व्यावहारिक ज्ञान देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. साहित्यिक समीक्षा, आलोचना, पुस्तक समीक्षा, साक्षात्कार और साहित्यिक रिपोर्टिंग जैसे लेखन कौशल को बढ़ावा मिलेगा।
2. विभिन्न साहित्यिक विधाओं में लेखन की शैली और तकनीकों की जानकारी प्राप्त होगी।
3. साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं के संपादन और प्रकाशन की प्रक्रिया को भी समझने में सहायक सिद्ध होगा।

इकाई – 1 : साहित्यिक पत्रकारिता : स्वरूप और विकास **(9 घंटे)**

- साहित्यिक पत्रकारिता का अर्थ और स्वरूप
- भारत में साहित्यिक पत्रकारिता का इतिहास
- प्रमुख साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएं (कविवचन सुधा, ब्राह्मण, सरस्वती, धर्मयुग, सारिका)
- मुख्यधारा की पत्रकारिता

इकाई – 2 : पत्रकारिता में साहित्यिक लेखन **(12 घंटे)**

- पत्रकारिता में साहित्यिक लेखन की विधाएं (निबंध, लेख, संस्मरण, रिपोर्ताज, साक्षात्कार)
- साहित्यिक समीक्षा और आलोचना
- पुस्तक समीक्षा
- साहित्यिक कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग

इकाई – 3 : साहित्यिक पत्रकारिता : माध्यम और प्रभाव **(12 घंटे)**

- साहित्यिक पत्रिकाएं : प्रिंट माध्यम (समाचार पत्र व पत्रिकाएं)
- साहित्यिक पत्रकारिता : इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (रेडियो व टेलीविजन)
- साहित्यिक पत्रकारिता और न्यू मीडिया
- साहित्यिक पत्रकारिता का सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव

इकाई – 4 : साहित्यिक पत्रकारिता में व्यावहारिक प्रशिक्षण **(12 घंटे)**

- साहित्यिक लेख, समीक्षा और आलोचना लेखन का अभ्यास
- साहित्यिक पत्रिका के संपादन और प्रकाशन का व्यावहारिक अनुभव
- साक्षात्कार और साहित्यिक रिपोर्टिंग का अभ्यास
- ब्लॉग लेखन का अभ्यास

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीबूटर्स, दिल्ली।
4. पत्रकारिता के प्रतिमान, बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
5. हिंदी पत्रकारिता : जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि, कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे, राजकिशोर (संपादक), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिंदी पत्रकारिता का विकास, एन. सी. पंत, राधा पब्लिकेशन, नयी दिल्ली।
8. अरोड़ा, हरीश (संपादक); पत्रकारिता का बदलता स्वरूप और न्यू मीडिया, साहित्य संचय प्रकाशन, नयी दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर I – Pool of GE1
विभाजन की विभीषिका और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Pool of GE1 विभाजन की विभीषिका और हिंदी साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध का विकास करना।
2. भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनाना।
3. भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थियों में भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध का विकास होगा
2. विद्यार्थी भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनेंगे
3. विद्यार्थी भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य को समझेंगे

इकाई – 1 : स्वाधीनता और भारत-विभाजन **(9 घंटे)**

- स्वाधीनता आंदोलन : एक परिचय
- भारत-विभाजन की पृष्ठभूमि
- भारत-विभाजन के परिणाम

इकाई – 2 : भारत-विभाजन और हिंदी कविता **(12 घंटे)**

- शरणार्थी – अज्ञेय (11 कविताओं की श्रृंखला)
- देस-विभाजन (1-3) – हरिवंश राय 'बच्चन'

इकाई – 3 : भारत-विभाजन और हिंदी कहानी **(12 घंटे)**

- अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी

- पानी और पुल – महीप सिंह
- चारा काटने की मशीन – उपेंद्रनाथ अश्क

इकाई 4 : भारत-विभाजन और हिंदी उपन्यास **(12 घंटे)**

- जुलूस – फनीश्वरनाथ रेणु
- जिंदगीनामा – कृष्णा सोबती
- झूठा सच – यशपाल

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचंद्र तिवारी
2. 21वीं शती का हिंदी उपन्यास, पुष्पपाल सिंह
3. भारत विभाजन का दंश, नीरजा माधव
4. भारत विभाजन और हिंदी कथा साहित्य, प्रमिला अग्रवाल
5. भारत विभाजन की कहानी, एलन कैंपवेल (अनुवाद : रनवीर सक्सेना)